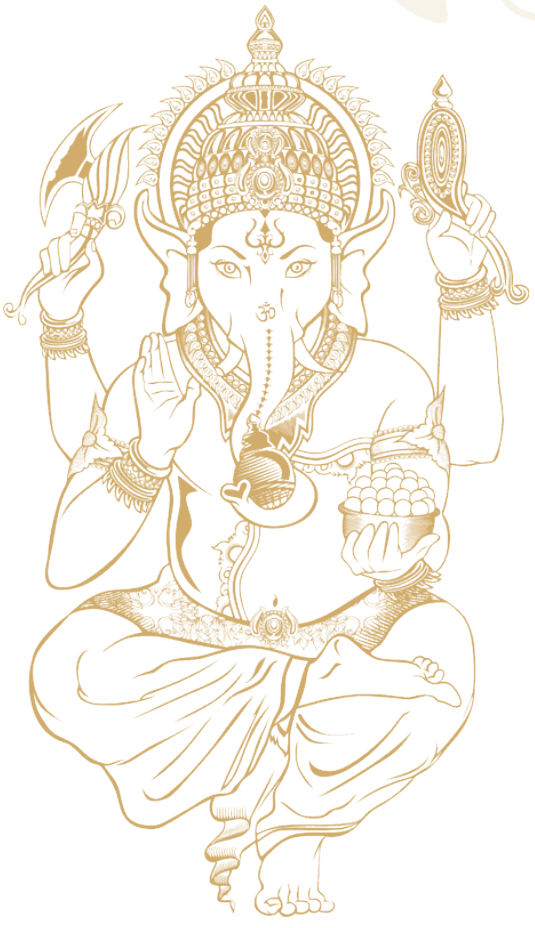

# Abhishek Tiwari

# Satakshi Awasthi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121052602

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 4-05/09/1995 | जन्म तिथि | 03/10/1998 |
| सोम-मंगलवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 04:28:00 | जन्म समय | 12:18:00 घंटे |
| घटी 55:21:14 | जन्म समय(घटी) | 14:40:05 घटी |
| India | देश | India |
| Nasik | स्थान | Lucknow |
| 20:00:00 उत्तर | अक्षांश | 26:50:00 उत्तर |
| 73:52:00 पूर्व | रेखांश | 80:54:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:34:32 | स्थानिक संस्कार | -00:06:24 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:19:30 | सूर्योदय | 05:59:46 |
| 18:46:43 | सूर्यास्त | 17:50:57 |
| 23:47:57 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:13 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि | 21:45:20 | कर्क | लग्न | धनु | 08:00:43 | राहु 12वर्ष 8मा 18दि |
| राहु | 18:08:13 | सिंह | सूर्य | कन्या | 16:01:33 | गुरु |
| 06/12/2024 | 22:29:51 | धनु | चंद्र | कुंभ | 10:34:44 | 22/06/2011 |
| 06/12/2042 | 04:39:45 | तुला | मंगल | सिंह | 03:33:50 | 22/06/2027 |
| राहु 19/08/2027 | 14:40:51 | कन्या | बुध | कन्या | 21:44:09 | गुरु 10/08/2013 |
| गुरु 11/01/2030 | 13:22:14 | वृश्चि | गुरु व | कुंभ | 27:01:02 | शनि 21/02/2016 |
| शनि 17/11/2032 | 22:13:40 | सिंह | शुक्र | कन्या | 09:03:03 | बुध 29/05/2018 |
| बुध 07/06/2035 | 28:16:45 | कुंभ व | शनि व | मेष | 07:53:55 | केतु 05/05/2019 |
| केतु 24/06/2036 | 03:41:51 | तुला व | राहु व | सिंह | 07:07:07 | शुक्र 03/01/2022 |
| शुक्र 25/06/2039 | 03:41:51 | मेष व | केतु व | कुंभ | 07:07:07 | सूर्य 22/10/2022 |
| सूर्य 19/05/2040 | 03:07:37 | मक व | हर्ष व | मक | 15:04:25 | चन्द्र 21/02/2024 |
| चन्द्र 18/11/2041 | 29:12:58 | धनु व | नेप व | मक | 05:33:59 | मंगल 27/01/2025 |
| मंगल 06/12/2042 | 04:13:35 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 12:05:09 | राहु 22/06/2027 |

### लग्न-चलित

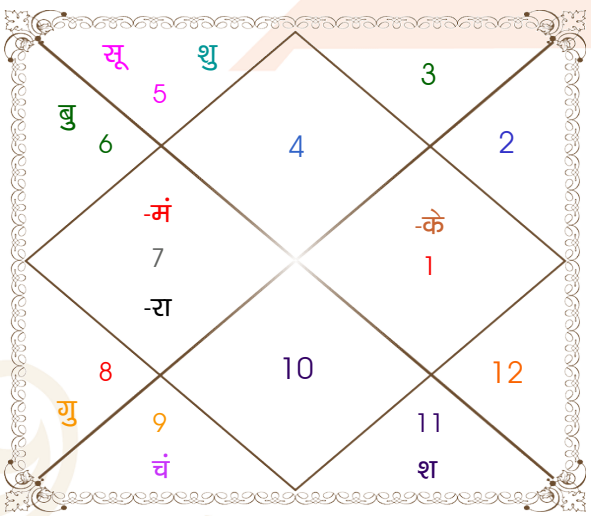


### लग्न-चलित

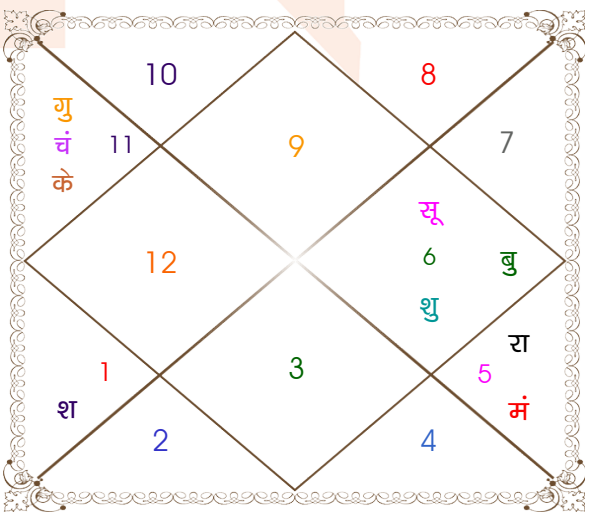

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | अश्व | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

।ईीपीमा ज्पूंतप  का वर्ग मूषक है तथा ँजीप ेूंजीप  का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ईीपीमा ज्पूंतप  और ँजीप ेूंजीप  का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

।ईीपीमा ज्पूंतप  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।ईीपीमा ज्पूंतप  कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ँजीप ेूंजीप  मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

।ईीपीमा ज्पूंतप  तथा ँजीप ेूंजीप  में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।